नाला का दूषित पानी पी रहे आदिवासी, कपुरदेई गांव की बदहाल व्यवस्था उजागर

हर घर नल-जल के दावों की खुली पोल, पीएचई बेखब, सरकारी योजनाएं कागजों में सफल, हकीकत में आदिवासी नाले का पी रहें पानी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 अप्रैल। हर घर नल-जल का सपना दिखाने वाली सरकार और उसे जमीन पर उतारने का जिम्मा संभालने वाला पीएचई विभाग कपुरदेई पंचायत की हकीकत देखकर शायद खुद भी पानी-पानी हो जाए। यहां कागजों में योजनाएं शत-प्रतिशत सफल हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि आदिवासी आज भी नाले का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। सवाल यह है कि आखिर ये योजनाएं जनता के लिए बनती हैं या सिर्फ फाइलों में चमकाने के लिए बनती हैं।

गौरतलब है कि विकास खण्ड चितरंगीं अंतर्गत ग्राम पंचायत कपुरदेई की हालत बेहद गंभीर और चिंताजनक है, यहां के आदिवासी समुदाय आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी के चलते जलस्रोत सूख चुके हैं, जिससे ग्रामीणों को नाले में गड्ढा खोदकर दूषित पानी पीना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा प्रभावित मुंगहवा टोला है, जहाँ लगभग 150 आदिवासी परिवार पीढ़ियों से निवास कर रहे हैं। इस टोले में पेयजल की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है।

यहाँ एकमात्र हैंडपम्प 500 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है, जिससे लोगों को मजबूरी में नाले का गंदा पानी पीना पड़ता है।

गर्मी में जब नाला भी सूख जाता है, तब ग्रामीण गोतान नदी का सहारा लेते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। पंचायत द्वारा टैंकर से पानी उपलब्ध कराने का दावा किया जाता है, लेकिन यह व्यवस्था भी नियमित और पर्याप्त नहीं है। गांव में अगंदा और असुरक्षित पानी पीने को मजबूर रहते हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बना रहता है।

बताया जा रहा है कि कपुरदेई की कुल आबादी लगभग 9 हजार है, जिसमें जमतिहवा में 8 हैंडपम्प, भैसहार में 4 हैंडपम्प और बगड़ा में 4 हैंडपम्प शामिल हैं। कागजों में कुल 16 हैंडपम्प होने के बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि कई हैंडपम्प या तो खराब हैं या जरूरतमंद बस्तियों से काफी दूर स्थित हैं।

लेकिन मजबूरन ग्रामीणों को अपनी प्यास बुझाने के लिए नाले का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं।

सरकार और जिला प्रशासन के दावे झूठे

आदिवासी समुदाय ने शासन-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रचार-प्रसार कर सरकार द्वारा विकास और आदिवासी कल्याण के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति बेहद खराब है। गांव में पानी की संकट को लेकर कई बार स्थानीय विधायक को भी अवगत कराया गया, बावजूद इसके अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। यह पूरा मामला शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। एक ओर सरकार हर घर नल-जल जैसी योजनाओं का प्रचार करती है, वहीं दूसरी ओर आदिवासी बहुल क्षेत्र के लोग आज भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। गंदा पानी पीने के वजह से आदिवासियों को पानी से जुड़ी कई तरह की बीमारियां होने की संभावना बनी रहती है।

सुने आदिवासी बुद्धिमान सिंह की जुबानी

विधानसभा क्षेत्र चितरंगी के ग्राम पंचायत कपुरदेई के मुंगहवा टोला निवासी बुद्धिमान सिंह ने कहा कि हमारे यहां हैंडपंप नहीं है, इसलिए नाले का पानी हम लोग पी रहे हैं, नाले का पानी पीने के चलते बहुत लोग बीमार भी होते हैं, लेकिन कोई हमारी समस्या को सुनने वाला नहीं है। शिकायत तो कई बार की हैं, लेकिन निराकरण आज तक नहीं हो पाया है। ग्रामीण कहते हैं कि यह हालत कोई नया नहीं है। हम आदिवासी इसी तरह नाले का पानी पीने को मजबूर हैं। जब उनसे सवाल पूछा गया कि यहां के जनप्रतिनिधि से शिकायत किए हैं कि नहीं तो उन्होंने कहा कि सबको जानकारी है शिकायत भी किए हैं, लेकिन सुनवाई नहीं होती है।

बरसात के दिनों में नहीं मिलता साफ पानी

ग्राम पंचायत कपुरदेई के मुंगहवा टोला निवासी सुनील सिंह ने कहा कि हैंड पंप की मांग बहुत समय से की जा रही है। जो हैंड पंप वह खराब चल रहे हैं। हैंड पंप ना होने की वजह से नाले का गंदा पानी पी रहे हैं। अभी तो चलिए ठीक है, मौसम सूखा है, लेकिन बरसात के दिनों में इसी नाले का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। शिकायत का क्या होता है, शिकायत तो कई बार हुई, ना तो पंचायत सुनने को तैयार है और ना ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि। इधर बता दे की कपुरदेई पंचायत की जो तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, वह कहीं ना कहीं सरकार और जिला प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर रही हैं।

इनका कहना :-

कपुरदेई पंचायत के मुंगहवा टोला में पानी की समस्या है। यह समस्या आज की नहीं है। वर्षों से इसी तरह लोग नाले का पानी पी रहे हैं। पीएचई अधिकारी से कई बार शिकायत किया हूं। इसके अलावा सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत किया हूं। लेकिन बिगड़े हैंडपंप को नहीं बनाया जा रहा है। एनसीएल ने हमारी पंचायत को सीएसआर मद से गोद लिया है। लेकिन एनसीएल भी पानी की समस्या को लेकर अभी तक कुछ नहीं किया है। गर्मी में पानी की व्यवस्था टैंकर से करेंगे।

बुद्धिराम सिंह
सरपंच, ग्राम पंचायत कपूरदेई

एक नजर में

जल संरक्षण को लेकर मारिया तालाब में किया संगोष्ठी

सिंगरौली। सुसंस्कार सोशल डब्लपमेंट सोसायटी नवांकुर संस्था म.प्र. जन अभियान परिषद जिला सिंगरौली द्वारा विकासखंड बैढ़न सेक्टर खुटार अंतर्गत आज दिन मंगलवार को आदर्श ग्राम पंचायत कंजी में जल गंगा संवर्धन अभियान, जल स्रोत सेवा समागम के तहत जल संरक्षण जल संवर्धन के कार्यक्रम के द्वितीय चरण में आदर्श ग्राम मारिया तालाब में स्वच्छता, श्रमदान, साफ-सफाई स्वच्छता के कार्यक्रम के साथ संगोष्ठी का आयोजन किया गया और उपस्थित आम जन मानस को नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, सुपोषण के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गयीं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल स्रोत का हुआ पूजन

सिंगरौली। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत म.प्र. जन अभियान परिषद सिंगरौली के निर्देशन में चितरंगी विकास खंड के शिवपुरवा पंचायत में नवांकुर संस्था द्वारा सेक्टर घोघरा का सेक्टर स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत झन्ना नाला में स्थित कुए के जल स्रोत का पूजन अर्चन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक समन्यवक विश्वनाथ रैदास, मौके पर मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा की सरकार हम सबके भविष्य को देखते हुए जल संकट से निपटने के लिए महत्वपूर्ण अभियान चला रही है।

देवसर विधायक ने 10 करोड़ 77 लाख की बहुप्रतीक्षित सड़कों का किया भूमिपूजन

ग्रामीणों को जिला मुख्यालय पहुंचना होगा आसान

नवभारत न्यूज

देवसर 7 अप्रैल। देवसर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति देते हुए विधायक राजेंद्र मेश्राम के मुख्य आतिथ्य में विभिन्न स्थानों पर बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी तथा स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक राजेंद्र मेश्राम ने अपने संबोधन में कहा कि विधानसभा क्षेत्र के दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों को मुख्य मार्गों से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है। बेहतर सड़क सुविधा से ग्रामीणों को आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा बाजार तक पहुंच में काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी। वहीं लोक निर्माण विभाग म.प्र. संभाग सिंगरौली द्वारा जिन कार्यों का भूमिपूजन किया गया, जहां चौरा से रैला बाया सुखरानाला तक सड़क का निर्माण कार्य शामिल है, जिसकी लंबाई 3 किमी तथा लागत 365.35 लाख रुपये है। इसी प्रकार गड़ाखाड़ बाजार सुहिरा से रामानुज चक्की तक जिसकी लम्बाई 3.50 किमी एवं लागत 374.37 लाख रूपये है। वहीं कुड़िया नाला गोदाम से लेकर सुहिरा नाला पहुंचमार्ग तक 3.35 किमी, जिसकी लागत 337.45 लाख रूपये बताई गई है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत करते हुए कहा कि इन सड़कों के निर्माण से वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी। लोगों ने उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण होने से गांवों की तस्वीर बदलेगी ।

सिंगरौली से मुंबई के लिए नई ट्रेन को सांसद ने दिखाई हरी झंडी

रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने से विकास को मिलेगी गति, सप्ताह में दो दिन चलेगी ट्रेन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 अप्रैल। जिले की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 13379 धनबाद, लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक ट्रेन का शुभारंभ किया गया। सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने सिंगरौली रेलवे स्टेशन पर इस नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं भी ट्रेन से यात्रा प्रारंभ की।

सांसद ने कहा कि यह नई ट्रेन सेवा क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है, जिससे सिंगरौली का सीधा जुड़ाव देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से हो गया है। उन्होंने बताया कि ट्रेन सप्ताह में दो दिन संचालित होगी, जिससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि बेहतर रेल कनेक्टिविटी से क्षेत्र में उद्योग, व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यवसाय के लिए बड़े शहरों तक पहुंच आसान होगी। सांसद ने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में सिंगरौली को अन्य बड़े शहरों और राजधानी से जोड़ने के लिए भी प्रयास लगातार जारी रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह, पूर्व जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता, वीरेंद्र गोयल, सांसद प्रतिनिधि संतोष वर्मा, वरिष्ठ नेता राज कुमार दुबे, रामजी गुर्जर, शारदा प्रसाद शर्मा, विनोद वैश्य, सत्येन्द्र दुबे, आलोक शर्मा, कवि लक्ष्मी कांत, शिप्रा दत्ता समेत सैकड़ों कार्यकर्ता व यात्री मौजूद रहे।

नगर निगम उपायुक्त ने स्वच्छता वाहन रैली को दिखाई हरी झण्डी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 अप्रैल। मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता संकल्प अभियान के अंतर्गत आज मंगलवार को शहर में स्वच्छता का संदेश प्रसारित करने के लिए स्वच्छता वाहन रैली का आयोजन किया गया।

ननि आयुक्त सविता प्रधान के निर्देशानुसार आयोजित इस रैली का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के संकल्प को दोहराना था। वाहन रैली को ननि कार्यालय परिसर से ननि के उपायुक्त आरपी बैस एवं स्वास्थ्य अधिकारी बीजी चतुर्वेदी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। नगर निगम के स्वच्छता वाहनों की यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होकर राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम पहुंची। रैली के दौरान लाउडस्पीकर और बैनरों के माध्यम से कूड़ा पृथक्करण गीला और सूखा कचरा अलग करना तथा सिंगल-यूज प्लास्टिक के त्याग का संदेश दिया गया। इस दौरान ननि उपायुक्त आरपी बैस ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए।

मुड़वानी डेम में मासूम का शव मिलने से सनसनी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 अप्रैल। जयंत चौकी क्षेत्र अंतर्गत मुड़वानी डैम में एक 4 वर्षीय मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार मुड़वानी बस्ती चुरकी निवासी आदित्य रावत उम्र 4 वर्ष कल शाम करीब 4 बजे अचानक लापता हो गया था। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने डैम क्षेत्र में तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद आज सुबह बच्चे का शव डैम से बरामद किया गया। मासूम की मौत के बाद मोहल्ला समेत पूरा परिवार में मातम पसर गया। पुलिस के मुताबिक प्राथमिक जांच में आशंका है कि खेलते समय बच्चा डैम में गिर गया होगा, जिससे डूबने से मौत हुई। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

अदाणी ने डीएवी खनुआ के बच्चों को सैनिक स्कूल का कराया भ्रमण

सपनों को मिली उड़ान, स्कूली बच्चों ने कड़ी मेहनत, शारीरिक फिटनेस व टीम वर्क के मूल्यों को समझा

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 अप्रैल। अदाणी फाउंडेशन की पहल पर सरई तहसील अंतर्गत खनुआ स्थित डीएवी स्कूल के विद्यार्थियों का सैनिक स्कूल, रीवा का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया।

इस शैक्षणिक भ्रमण में कक्षा चौथी से आठवीं तक के कुल 30 विद्यार्थियों को सैनिक स्कूल, रीवा में अध्ययनरत छात्रों एवं शिक्षकों से प्रत्यक्ष संवाद का अवसर प्राप्त हुआ। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल के अनुशासित एवं प्रेरक वातावरण को नजदीक से देखा और समझा। इस अनुभव के माध्यम से बच्चों को कड़ी मेहनत, शारीरिक फिटनेस, टीमवर्क, आत्मविश्वास और समय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों का व्यावहारिक ज्ञान मिला।

इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा सैनिक जीवनशैली से परिचित कराना है। उल्लेखनीय है कि एपीएमडीसी द्वारा संचालित खनुआ स्थित डीएवी स्कूल में सुलियरी परियोजना से विस्थापित परिवारों के बच्चे अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

सैनिक स्कूल के छात्रों एवं शिक्षकों से संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा की तैयारी तथा भारतीय थल सेना, नौसेना एवं वायु सेना में अधिकारी बनने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर डीएवी स्कूल के शिक्षक, मैनेजर भ्रमर सिंह, कर्नल केहर सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल आशीष द्विवेदी सहित अन्य मौजूद रहे।

ज्ञान वैली पब्लिक स्कूल में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ स्वागत

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 अप्रैल। कॉलेज रोड बिलौंजी स्थित ज्ञान वैली पब्लिक स्कूल में प्रवेश उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास और धार्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रों के बीच छात्रों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों को तिलक, पुष्प एवं मिठाई देकर उनका स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छोटे-छोटे बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था, वहीं अभिभावक भी इस अनोखे आयोजन से काफी प्रभावित नजर आए। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि प्रवेशोत्सव का उद्देश्य बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना और शिक्षा के प्रति उनका रुझान बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में संस्कार और अनुशासन की भावना विकसित होती है।

दूध लेकर घर लौट रहे बुजुर्ग की दर्दनाक मौत

तेज रफ्तार पिकअप ने मारी टक्कर

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 अप्रैल। जिले के सरई थाना अंतर्गत निवास चौकी क्षेत्र में आज मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार रजनिया निवासी भैया लाल गुप्ता उम्र 60 वर्ष सुबह करीब 7 बजे स्कूटी से दूध लेकर अपने घर लौट रहे था। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग को गंभीर चोट लगने के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और तत्काल निवास पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दुर्घटना के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस हादसे से गांव में शोक की लहर हैं। बताया जा रहा है कि भयालाल गुप्ता सरल स्वभाव के थे और प्रतिदिन सुबह दूध लेने जाया करते थे। उनकी अचानक मौत से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा।

सोन नदी और कैमूर पहाड़ की गोद में फुलकेश मैदान, मिनी स्टेडियम की मांग तेज

प्राकृतिक सौंदर्य के बीच खेल प्रतिभाओं को मिल सकता है नया मंच, चितरंगी विकासखंड के खिलाड़ियों और क्षेत्रीय विकास के लिए अहम पहल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 अप्रैल। चितरंगी विकासखंड के फुलकेश स्थित खेल मैदान को लेकर क्षेत्र में एक बार फिर मांग तेज हो गई है। स्थानीय खिलाड़ियों, ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि यह मैदान केवल खेल गतिविधियों का केंद्र ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण स्थान है।

मैदान के उत्तर दिशा में बहती सोन नदी और उसके पीछे स्थित कैमूर पहाड़ इस पूरे क्षेत्र को अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य प्रदान करते हैं। ऐसे मनोहारी वातावरण में यदि इस मैदान को स्टेडियम या मिनी स्टेडियम के रूप में विकसित किया जाता है, तो यह चितरंगी विकासखंड के लिए बड़ी सौगात साबित हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फुलकेश का यह मैदान क्षेत्रफल की दृष्टि से विकासखंड का सबसे बड़ा मैदान माना जाता है। यहां पहले से ही ग्रामीण अंचल के युवा क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी और एथलेटिक्स जैसे खेलों का अभ्यास करते रहे हैं। लेकिन बुनियादी सुविधाओं के अभाव में खिलाड़ियों को बेहतर मंच नहीं मिल पा रहा है। लंबे समय से यहां बाउंड्रीवाल, दर्शक दीर्घा बैठने की व्यवस्था और मिनी स्टेडियम निर्माण की मांग उठती रही है। लेकिन जिम्मेदार पदों पर बैठे शासन-प्रशासन मौन हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यदि इस मैदान को स्टेडियम के रूप में विकसित किया जाता है तो यह न केवल स्थानीय खिलाड़ियों को जिला और राज्य स्तर तक पहुंचने का अवसर देगा, बल्कि आसपास के गांवों के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बनेगा। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह स्थल खेल पर्यटन और सामाजिक गतिविधियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन सकता है। स्थानीय जनों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि फुलकेश मैदान को खेल परिसर के रूप में विकसित करने के लिए शीघ्र योजना बनाई जाए। जिससे क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को अपने खेल को निखारने में मदद मिलेगी। उनका कहना है कि इससे चितरंगी विकासखंड के खिलाड़ियों का भविष्य संवरने के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास को भी नई दिशा मिलेगी। सोन नदी और कैमूर पहाड़ की छटा के बीच यह मैदान आने वाले समय में क्षेत्र की पहचान बन सकता है।